Cambridge Assessment International Education
Cambridge Ordinary Level

HINDI **3201/02**

Paper 2 Translation and Reading Comprehension **October/November 2019**

1 hour 30 minutes

No Additional Materials are required.

1582004305

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

An Answer Booklet is provided inside this Question Paper. You should follow the instructions on the front cover of the Answer Booklet. If you need additional paper ask the invigilator for a Continuation Booklet.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

This document consists of **4** printed pages and **1** Insert.

DC (LEG/TP) 172751/1
© UCLES 2019

[Turn over

Section A – Translation

1 Translate into **English**.

हिन्दी की प्रसिद्ध लेखिका, नीना मेहता के बारे में एक बात दावे से कही जा सकती है कि उनकी तमाम उपलब्धियाँ उनकी अपनी अर्जित की हुई थीं। उन्होंने हमेशा सबको कुछ दिया ही, कभी भी किसी से कुछ मांगा या लिया नहीं था। उनकी व्यक्तिगत विशेषताओं का श्रेय न उनके भाई, न पति और न ही बच्चों को दे सकते हैं। हाँ, केवल उनकी माँ का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव था। उन्होंने अपनी माँ की व्यक्तिगत विशेषताओं पर अपने जीवन को ढाला था। वे अपने जीवन भर नकारात्मकता से लड़ती रही थीं और आज वे सकारात्मकता का प्रतीक बन गई हैं।

अर्जित – earned, **नकारात्मकता** – negativity, **सकारात्मकता** – positivity

[10]

2 Translate into **Hindi**.

The importance of association in life can be explained by the example of raindrops. A raindrop falling from the sky: if it is caught in clean hands, it is pure enough for drinking. If it falls in a gutter, its value drops so much that it cannot be used even for washing one's feet. If a raindrop lands on a lotus leaf, it shines like a diamond and finally, if it enters inside an oyster, it becomes a pearl. In life our conduct is determined by the people we are surrounded by. In order to achieve inner strength of character and to believe in your own ability, always be associated with people who are good at heart.

association – **संगति**

[20]

© UCLES 2019

Section B – Comprehension

Do **not** translate the passage below. First read it carefully and then answer briefly in **Hindi** the questions that follow.

एक दिन शिकार खाते समय एक बाघ के गले में हड्डी फँस गई। बाघ उस दिन से कुछ भी नहीं खा पा रहा था। उसने सोचा यदि कोई उसकी सहायता करने नहीं आया तो वह शीघ्र ही भूखा मर जाएगा। एक कठफोड़वा पक्षी पेड़ की डाल पर बैठा यह देख रहा था। बाघ को इस तरह देख कर कठफोड़वा ने हैरानी से पूछा, 'आखिर बात क्या है, तुम हर समय इस तरह से मुँह बाये क्यों पड़े रहते हो?' बाघ ने उसको इशारे से अपने पास बुलाकर अपने गले में फँसी हड्डी दिखाई। कठफोड़वा ने कहा, 'यदि तुम वादा करो कि आगे से अपने शिकार में से मुझे भी हिस्सा दोगे तो मैं तुम्हारे गले में फँसी हड्डी अभी निकाल दूंगा।' बाघ के इशारे से हामी भरने पर कठफोड़वा ने उसके गले में अपनी लम्बी चोंच घुसा कर हड्डी खींच निकाली।

हड्डी निकलते ही बाघ शिकार की खोज में निकल पड़ा। कुछ देर बाद एक मेमने का शिकार करके वह उसे खाने लगा तो कठफोड़वा ने उसको अपना वादा याद दिलाकर अपना हिस्सा मांगा। बाघ ने उसकी तरफ़ ऐसे देखा जैसे पहचानता ही न हो। कठफोड़वा को बहुत धक्का लगा और वह ज़ोर से चिल्लाया, 'याद है मैंने तुम्हारी जान बचाई थी?' बाघ उसकी बात सुनकर हँसता हुआ बोला, 'क्या तुम जानते नहीं कि मैं एक जंगली जानवर हूँ और मेरे लिए शिकार करना ज़रूरी है। जब तुम मेरे गले से हड्डी निकालने के लिए मेरे मुँह में घुसे थे, मै बहुत आसानी से तुम्हें निगल सकता था। शुक्र करो कि मैंने तुम्हारी जान बख्श दी और अब यहाँ से चलते बनो।'

जब बाघ अपना पेट भरने पर सो गया तो कठफोड़वा ने अपनी तेज़ चोंच से उसकी एक आँख फोड़ दी। बाघ दर्द से कराहता हुआ बोला, 'निर्दयी तुमने मेरी आँख क्यों फोड़ी?' कठफोड़वा ने जवाब दिया, 'तुम जानते नहीं कि मेरी चोंच बहुत तेज़ है, मैं तो आसानी से तुम्हारी दोनों आँखें फोड़ सकता था। शुक्र करो कि मैंने एक ही आँख फोड़ कर तुम्हें छोड़ दिया, अब इस तरह से गरज़ना बंद करो और यहाँ से चलते बनो।'

Now answer the following questions briefly, using your own words as far as possible.

3 बाघ को क्या परेशानी थी? [2]

4 बाघ ने कठफोड़वा के प्रश्न का उत्तर इशारे से क्यों दिया? [2]

5 कठफोड़वा ने सहायता करने के बदले में बाघ से क्या मांगा? [2]

6 कठफोड़वा ने बाघ की सहायता करने के लिए क्या और कैसे किया? **तीन** विवरण दीजिए। [3]

7 किन **तीन** बातों से पता चलता है कि बाघ ने अपना वादा पूरा नहीं किया? [3]

8 बाघ की आँख फोड़ कर कठफोड़वा उसको क्या जताना चाहता था? [3]

9 इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है? [4]

10 किन्हीं **तीन** रेखांकित शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए:

(i) हैरानी

(ii) मुँह बाये

(iii) धक्का लगा

(iv) जान बख्श दी

(v) निर्दयी

[6]

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which itself is a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2019